## सर्वेक्षण के प्रकार (types of Survey) :-

1. संगणना या यथापूर्व सर्वेक्षण (Census or Status Survey) :-

इस प्रकार के सर्वेक्षण में पूरी जनसंख्या का अध्ययन किया जाता है और आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त की जाती है। जैसे:- किसी शहर में रहने वाले भिखारियों या रोगीयों का सर्वेक्षण किया जा सकता है और पता लगाया जा सकता है कि उस शहर में कितने रोगी रहते हैं, उनमें कितने पुरुष, स्त्री, बच्चें, बूढे तथा सयानों की संख्या अलग-2 कितनी है। उनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति कैसी है, उनमें कितने लोग औषध (drug) का व्यवहार करते हैं, उनमें कितने लोग शिक्षित है आदि। लेकिन इस प्रकार के सर्वेक्षण का व्यवहार बहुत कम होता है। अधिकांश परिस्थितियों में प्रतिनिधिक प्रतिदर्श (repursentative sample) का व्यवहार किया जाता है।

कारण, संगणना अध्ययन (Census study) अथवा यथापूर्व सर्वेक्षण (Status Survey) में समय अधिक लगता है, श्रम अधिक करना पड़ता है और मुद्रा का खर्च अधिक होता है। इसके अतिरिक्त सभी परिस्थितियों में इसका उपयोग काफी कठिन होता है।

2. प्रतिदर्श सर्वेक्षण (Sample Survey) :-

इस प्रकार के सर्वेक्षण में समूचे विश्व (Universe) या, जनसंख्या (population) का अध्ययन नहीं किया जाता है, बल्कि उसके किसी अंश या प्रतिदर्श (sample) का अध्ययन किया जाता है तथा आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त की जाती हैं। प्राप्त सूचनाओं को पूरे विश्व या जनसंख्या पर लागू किया जाता है। प्रतिदर्श को यथासंभव प्रतिनिधिक (representative) बनाने का प्रयास किया जाता है।

व्यावहारिक दृष्टिकोण से यह प्रतिदर्श सर्वेक्षण अधिक उपयोगी है। इस प्रकार के सर्वेक्षण में समय, श्रम तथा मुद्रा की बचत होती है। अत: इसका उपयोग समाजिक मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान, आदि में व्यापक रूप से होता है। इस प्रतिदर्श सर्वेक्षण को निम्नलिखित प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है:-

(क) समाजवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Sociological Survey) :-

इस प्रकार के सर्वेक्षण का सम्बंध समाज वैज्ञानिक तथ्यों (Sociological facts) से होता है। इसके अन्तर्गत विद्यालय सर्वेक्षण (School Survey), जनमत सर्वेक्षण (Public opinion Survey) आदि की गणना की जाती है।

(ख) मनोवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Psychological Survey) :-

इस प्रकार के सर्वेक्षण का सम्बंध मनोवैज्ञानिक प्रपंचों (Psychological Phenomena) से होता है। जैसे:-

मनोवृति (attitude), पूर्वधारणा (Prejudice), विश्वास (belief) आदि के सर्वेक्षण को मनोवैज्ञानिक सर्वेक्षण कहते हैं।

(vii) सरकारी, अर्द्धसरकारी तथा निजी सर्वेक्षण (Official, Semi-Official & Private Survey) :- सरकारी सर्वेक्षण सरकारी अधिकारियों द्वारा संचालित है। अर्द्ध-सरकारी सर्वेक्षण अर्द्ध-सरकारी संस्था जैसे:- विश्वविद्यालय, कॉरपोरेशन, निगम आदि द्वारा संचालित होता है। इसी तरह निजी सर्वेक्षण गैर-सरकारी संस्थाओं या व्यक्तियों द्वारा संचालित किया जाता है।

(viii) सार्वजनिक तथा गुप्त सर्वेक्षण (Public & Confidential Survey) :- जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि सार्वजनिक सर्वेक्षण का उद्देश्य स्पष्ट होता है, और प्राप्त सूचनाएँ सर्व विदित होता है, परंतु गुप्त सर्वेक्षण की सूचनाएँ गुप्त रखी है।

## सर्वेक्षण की विधियाँ या उपकरण (Method & Tools of Survey)

सर्वेक्षण या सामाजिक सर्वेक्षण (Social Survey) द्वारा सूचना प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित विधियों या प्रविधियों (techniques) का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाता है:-

(i) साक्षात्कार एवं अनुसूचि (Interview & schedules)
(ii) डाक प्रश्नावली (Mail Questionnaire)
(iii) टेलिफोन सर्वेक्षण (Telephone Survey)
(iv) अन्तर्वस्तु-विश्लेषण (content Analysis)।
(v) सामयिक सर्वेक्षण (Panel survey)।
(vi) निरीक्षण सर्वेक्षण (Observation Survey).

(i)

(i) साक्षात्कार एवं अनुसूचि (Interview & schedule) :-
सर्वेक्षण की इस विधि में व्यक्तिगत साक्षात्कार (individual interview) तथा सामूहिक साक्षात्कार (Group interview) के आधार पर सूचनाएँ प्राप्त की जाती है। साक्षात्कार के समय अनुसूचियों (schedule) का उपयोग भी किया जा सकता है।

(ii) डाक प्रश्नावली (Mail Questionnaire) :- सर्वेक्षण सूचना (survey information) प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली सूचनाओं के पास डाक द्वारा भेज दी जाती है और उनसे अनुरोध किया जा सकता है कि वे इसे भरकर यथा संभव स-समय वापस कर दें।

(iii) टेलिफोन-सर्वेक्षण (Telephone survey) :- यहाँ सूचनादाताओं से टेलिफोन पर सम्पर्क स्थापित किया जाता है और सर्वे की समस्या के अनुरूप व्यक्तिगत तथा समाज वैज्ञानिक तथ्यों (ecological facts) के सम्बंध में सूचना देने के लिए उनसे अनुरोध किया जाता है। लेकिन इसकी उपयोगिता में बहुत सीमित है। (1) कुछ लोग टेलिफोन पर उत्तर देना पसंद नहीं करते हैं (2) उनके उत्तर सतही (superficial) होते हैं। (iii) सूचनाओं की जाँच करना संभव नहीं होता है। (iv) सर्वेक्षक (Surveyor) तथा सूचनादाता के बीच रागात्मक सम्बंध स्थापित नहीं हो पाता है।

(iv) निरीक्षण सर्वेक्षण (Observation Survey) :- यहाँ निरीक्षण के आधार पर सर्वेक्षण आँकड़े प्राप्त किए जाते हैं। Participant (प्रतिभागी) तथा सहभागी (non-participant) दोनों प्रकार के निरीक्षणों की व्याख्या की जाती है।

(v) घटक विश्लेषण (Content Analysis) :- सर्वेक्षण की इस तकनीक के द्वारा संचार (Communication) के व्यक्त घटक (manifest contents) का क्रमबद्ध तथा परिमाणात्मक अध्ययन किया जाता है। इस तकनीक या विधि को

आलेख-विश्लेषण (documents analysis), सूचना विश्लेषण (information analysis), संचार विश्लेषण (communication analysis) आदि भी कहते हैं। सर्वेक्षण की यह विधि जटिल सामाजिक, राजनीतिक या राष्ट्रों (nations) के व्यक्तियों की मनोवृत्तियों (attitudes), विश्वासों, मूल्यों आदि के अध्ययन में यह विधि काफी उपयोगी है। परंतु इसका सबसे बड़ा दोष यह है कि घटकों के विश्लेषण पर सर्वेक्षक (surveyor) के पक्षपातों (biases) का प्रभाव पड़ता है, जिससे इसकी विश्वसनीयता घट जाती है।

(vi) **पैनेल सर्वेक्षण (Panel survey):** इस सर्वेक्षण तकनीक से उत्तरदाताओं के एक प्रतिदर्श का चुनाव कर लिया जाता है। इस प्रतिदर्श का सर्वेक्षण कई बार किया जाता है और सूचनाएँ प्राप्त की जाती हैं। इससे व्यवहारों, मनोवृत्तियों तथा आवश्यकताओं में घटित परिवर्तनों का अध्ययन संभव होता है।